छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने 38वें राष्ट्रीय खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

चर्चा में क्यों?

उत्तराखंड में **14 फरवरी, 2025** तक चलने वाले **38वें राष्ट्रीय खेलों** **में छत्तीसगढ़ के एथलीट** उल्लेखनीय प्रभाव डाल रहे हैं।

- राज्य ने कुल **चार स्वर्ण और तीन कांस्य पदक प्राप्त कर** विभिन्न खेल विधाओं में अपनी बढ़ती हुई ताकत का प्रदर्शन किया है।

मुख्य बिंदु

- **उपलब्धि की मुख्य विशेषताएँ:**
  - **विजय कुमार ने** पुरुषों के 55 किलोग्राम श्रेणी में इतिहास रच दिया, उन्होंने **एक दशक में छत्तीसगढ़ के लिये पुरुष भारोत्तोलन में पहला स्वर्ण पदक प्राप्त किया।**
  - **ज्ञानेश्वरी यादव ने** महिला भारोत्तोलन में अपना दबदबा जारी रखते हुए **49 किलोग्राम श्रेणी में लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीता।**
- **भारोत्तोलन सफलता:**
  - **उन्होंने गोवा** में **37वें राष्ट्रीय खेलों** में भी स्वर्ण पदक जीता।
  - **कलारीपयट्टू: यह** मानव शरीर के प्राचीन ज्ञान पर आधारित एक **मार्शल आर्ट है। इसकी उत्पत्ति तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व** से **दूसरी शताब्दी ईस्वी के** दौरान **केरल में हुई थी।**
  - **विवेक सिंह ने स्वर्ण पदक जीता,** जबकि रिशा नैन और अनीता ने कांस्य पदक हासिल किया।
- **अन्य उपलब्धियाँ:**
  - छत्तीसगढ़ **की महिला बीच हैंडबॉल टीम ने** अपना विजय अभियान जारी रखते हुए **असम को सीधे सेटों में हराकर राष्ट्रीय खेलों** में **लगातार दूसरा कांस्य पदक** जीता।
  - पुरुष **बैडमिंटन टीम** अरुणाचल प्रदेश को **5-0** से हराकर सेमीफाइनल में पहुँच गई।
  - भूमि गुप्ता ने कड़ी प्रतिस्पर्द्धा के बीच सराहनीय प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 100 मीटर बटरफ्लाई फाइनल में **पाँचवाँ स्थान प्राप्त किया।**

राष्ट्रीय खेल 2025

- **38वें राष्ट्रीय खेल, ओलंपिक** से प्रेरित भारत का अपना **बहु-खेल आयोजन है, जिसमें** 28 राज्यों, 8 केंद्र शासित प्रदेशों और सेवा खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) के एथलीट 32 विभिन्न खेलों में पदक के लिये प्रतिस्पर्द्धा करेंगे।
- 2025 के राष्ट्रीय खेलों की शुरुआत 26 जनवरी को ट्रायथलॉन स्पर्द्धाओं के साथ हुई।
- राष्ट्रीय खेलों के **प्रत्येक संस्करण के समग्र विजेता को राजा भलिंदर सिंह ट्रॉफी से सम्मानित किया जाता है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chhattisgarh-athletes-excel-at-38th-national-games